

## भाग I: राजनीतिक सिद्धांत और भारतीय राजनीति

1. राजनीतिक सिद्धांत अर्थ और दृष्टिकोण
2. राज्य के सिद्धांत: उदार, नवउदार, मार्क्सवादी, बहुवचनवादी, औपनिवेशिक और नारीवादी।
3. न्याय: रावल के न्याय सिद्धांत और इसकी साम्यवादी आलोचनाओं के विशेष संदर्भ के साथ न्याय की अवधारणाएं।
4. समानता: समानता और स्वतंत्रता के बीच सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक संबंध; सकारात्मक कार्रवाई।
5. अधिकार: अर्थ और सिद्धांत; विभिन्न प्रकार के अधिकार; मानव अधिकारों की अवधारणा
6. लोकतंत्र: शास्त्रीय और समकालीन सिद्धांत; लोकतंत्र के प्रतिनिधि, सहभागी और विचार-विमर्श के विभिन्न मॉडल।
7. शक्ति, वर्चस्व, विचारधारा और वैधता की अवधारणा
8. राजनीतिक विचारधारा: उदारवाद, समाजवाद, मार्क्सवाद, फासीवाद, गांधीवाद और नस्लवाद।
9. भारतीय राजनीतिक विचार: धर्मशास्त्र, अर्थशास्त्र और बौद्ध परंपराएं; सर सैयद अहमद खान, एस आर आई अरबिंदो, एम.के. गांधी, बी.आर. अम्बेडकर, M.N। रॉय
10. पश्चिमी राजनीतिक विचार: प्लेटो, अरिस्टोटल, माचियावेली, हॉब्स, लॉक, जॉन, एस। मिल, मार्क्स, ग्रामसी, हन्ना अरंडट

### भारतीय सरकार और राजनीति

1. भारतीय राष्ट्रवाद: भारत के स्वतंत्रता संग्राम की राजनीतिक रणनीतियां: जनता सत्याग्रह, असहयोग, नागरिक अवज्ञा के लिए संवैधानिकता; आतंकवादी और क्रांतिकारी आंदोलनों, किसान और श्रमिकों की गतिविधियां। भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन पर परिप्रेक्ष्य: लिबरल, सोशलिस्ट और मार्क्सवादी; कट्टरपंथी मानवीय और दलित।
2. भारतीय संविधान बनाना: ब्रिटिश शासन की अवधारणाएं; विभिन्न सामाजिक और राजनीतिक दृष्टिकोण
3. भारतीय संविधान की मुख्य विशेषताएं: प्रस्तावना, मौलिक अधिकार और कर्तव्यों, निर्देशक सिद्धांत; संसदीय प्रणाली और संशोधन प्रक्रिया; न्यायिक समीक्षा और मूल संरचना सिद्धांत
4. ए केंद्र सरकार के प्रमुख अंग: कार्यकारी, विधानमंडल और सुप्रीम कोर्ट की वास्तविक भूमिका और परिकल्पना की गई।
- ख। राज्य सरकार के प्रमुख अंगों: कार्यकारी, विधानमंडल और उच्च न्यायालयों की वास्तविक भूमिका और परिकल्पना की गई।
5. ग्रसरूट लोकतंत्र: पंचायती राज और नगरपालिका सरकार; 73 वें और 74 वें संशोधनों का महत्व; ग्रसरूट आंदोलनों
6. वैधानिक संस्थान / आयोग: चुनाव आयोग, नियंत्रक और महालेखा परीक्षक, वित्त आयोग, संघ

लोक सेवा आयोग, अनुसूचित जातियों के लिए राष्ट्रीय आयोग, अनुसूचित जनजातियों के लिए राष्ट्रीय आयोग, महिलाओं के लिए राष्ट्रीय आयोग; राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, अल्पसंख्यक आयोग, राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग

**7. संघवाद:** संवैधानिक प्रावधान; केंद्र-राज्य संबंधों की प्रकृति बदलती है; एकीकरणवादी प्रवृत्तियों और क्षेत्रीय आकांक्षाएं; अंतर-राज्य विवाद

**8. योजना और आर्थिक विकास:** नेहरूवादी और गांधीवादी दृष्टिकोण; नियोजन और सार्वजनिक क्षेत्र की भूमिका; हरित क्रांति, भूमि सुधार और कृषि संबंध; उदारीकरण और आर्थिक सुधार

**9. भारतीय राजनीति में जाति, धर्म और नस्ल।**

**10. पार्टी सिस्टम:** राष्ट्रीय और क्षेत्रीय राजनीतिक दलों, पार्टियों के विचारधारात्मक और सामाजिक आधार; गठबंधन राजनीति के पैटर्न; दबाव समूह, चुनावी व्यवहार में रुझान; विधायकों के सामाजिक-आर्थिक प्रोफाइल को बदलना

**11. सामाजिक आंदोलन:** नागरिक स्वतंत्रता और मानवाधिकार आंदोलन; महिला आंदोलन; पर्यावरणवादी आंदोलनों

## भाग II: तुलनात्मक राजनीति और अंतरराष्ट्रीय संबंध

### तुलनात्मक राजनीतिक विश्लेषण और अंतरराष्ट्रीय राजनीति

**1. तुलनात्मक राजनीति:** प्रकृति और प्रमुख दृष्टिकोण; राजनीतिक अर्थव्यवस्था और राजनीतिक समाजशास्त्र दृष्टिकोण; तुलनात्मक विधि की सीमाएं

**2. तुलनात्मक परिप्रेक्ष्य में राज्य:** पूंजीवादी और समाजवादी अर्थव्यवस्थाओं में राज्य की विशेषताएं और बदलती प्रकृति, और उन्नत औद्योगिक और विकासशील समाज।

**3. प्रतिनिधित्व और भागीदारी की राजनीति:** उन्नत औद्योगिक और विकासशील समाजों में राजनीतिक दलों, दबाव समूहों और सामाजिक आंदोलनों।

**4. वैश्वीकरण:** विकसित और विकासशील समाजों के जवाब।

**5. अंतरराष्ट्रीय संबंधों के अध्ययन के दृष्टिकोण:** आदर्शवादी, यथार्थवादी, मार्क्सवादी, कार्यकर्ता और सिस्टम सिद्धांत।

**6. अंतरराष्ट्रीय संबंधों में महत्वपूर्ण अवधारणाएं:** राष्ट्रीय हित, सुरक्षा और शक्ति; शक्ति और प्रतिरोध का संतुलन; अंतरराष्ट्रीय अभिनेताओं और सामूहिक सुरक्षा; विश्व पूंजीवादी अर्थव्यवस्था और वैश्वीकरण।

**7. अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक आदेश बदलना:**

१. सुपर शक्तियों का उदय; सामरिक और वैचारिक द्विपक्षीयता, हथियारों की दौड़ और शीत युद्ध; परमाणु खतरा;

२. गैर-अलंकृत आंदोलन: लक्ष्य और उपलब्धियां;

३. सोवियत संघ का पतन; एकता और अमेरिकी विरासत; समकालीन दुनिया में गैर संरेखण की प्रासंगिकता।

**8. अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक प्रणाली का विकास:** ब्रेटनवुड से डब्ल्यूटीओ तक; समाजवादी अर्थव्यवस्थाएं और सीएमईए (म्यूचुअल इकोनॉमिक असिस्टेंस काउंसिल); तीसरी दुनिया की नई अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक व्यवस्था की मांग; विश्व अर्थव्यवस्था का वैश्वीकरण।

**9. संयुक्त राष्ट्र:** परिकल्पना की भूमिका और वास्तविक रिकॉर्ड; विशिष्ट संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों-उद्देश्य और कार्य; संयुक्त राष्ट्र सुधारों की आवश्यकता है

**10. विश्व राजनीति के क्षेत्रीयकरण:** यूरोपीय संघ, आसियान, एपीईसी, सार्क, नाफ्टा।

**11. समकालीन वैश्विक चिंता:** लोकतंत्र, मानव अधिकार, पर्यावरण, लिंग न्याय, आतंकवाद, परमाणु प्रसार

## भारत और विश्व

1. भारतीय विदेश नीति: विदेशी नीति के निर्धारक; नीति बनाने के संस्थान; निरंतरता और परिवर्तन

2. गैर-संरेखण आंदोलन में भारत का योगदान: विभिन्न चरणों; वर्तमान भूमिका

3. भारत और दक्षिण एशिया: क्षेत्रीय सहयोग: सार्क 'पिछले प्रदर्शन और भविष्य की संभावनाएं। ख। एक मुक्त व्यापार क्षेत्र के रूप में दक्षिण एशिया। सी। भारत की "लुक ईस्ट" नीति। क्षेत्रीय सहयोग के लिए प्रभाव: नदी के पानी के विवाद; अवैध सीमा पार प्रवासन; जातीय संघर्ष और विद्रोह; सीमा विवाद

4. भारत और वैश्विक दक्षिण: अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के साथ संबंध; एनआईईओ और डब्ल्यूटीओ वार्ता की मांग में नेतृत्व की भूमिका।

5. भारत और वैश्विक शक्ति केंद्र: यूएसए, ईयू, जापान, चीन और रूस।

6. भारत और संयुक्त राष्ट्र प्रणाली: संयुक्त राष्ट्र शांति-पालन में भूमिका; सुरक्षा परिषद में स्थायी सीट की मांग।

7. भारत और परमाणु प्रश्न: धारणाओं और नीति को बदलना।

8. भारतीय विदेश नीति में हाल के घटनाक्रम: अफगानिस्तान, इराक और पश्चिम एशिया में हालिया संकट पर भारत की स्थिति, अमेरिका और इजराइल के साथ बढ़ते संबंध; एक नए विश्व व्यवस्था की दृष्टि।